यौन शोषण केस में घिरे महामंडलेश्वर की अचानक बिगड़ी तबीयत

- कथा अधूरी छोड़ी, शिष्य ने संभाली कमान
- कमरे से नहीं निकले बाहर, आश्रम में मचा हड़कंप

नव भारत न्यूज

जबलपुर. यौन शोषण के गंभीर आरोपों में फंसे महामंडलेश्वर और कथावाचक उत्तम स्वामी का शुक्रवार को अचानक स्वास्थ्य बिगड़ गया. हालत इतनी खराब रही कि वह अपने कक्ष से बाहर तक नहीं निकल सके. इसके चलते तय समय पर भागवत कथा शुरू नहीं हो सकी और बाद में उनके शिष्य को कमान संभालते हुए कथा करनी पड़ी.

भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के हीरापुर स्थित आश्रम में उत्तम स्वामी की नौ फरवरी से 15 फरवरी तक भागवत कथा चल रही है. करीब 10 एकड़ में फैले इसी आश्रम परिसर में शुक्रवार दोपहर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई. दोपहर दो बजे कथा शुरू होनी थी, लेकिन स्वामी बाहर नहीं आए काफी देर इंतजार के बाद साढ़े तीन बजे कथा की शुरुआत हुई, जिसे उनके शिष्य ने श्रद्धालुओं के बीच संपन्न कराया.

आश्रम से जुड़े लोगों के मुताबिक अस्वस्थता के चलते उत्तम स्वामी पूरे समय अपने कमरे में ही रहे. यह पूरी घटना अखबारों में प्रकाशित हुई खबर के बाद होना बताया जा रहा है. वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर सभी तथ्यों की पड़ताल की जा रही है और पीड़िता की सुरक्षा को लेकर भी संबंधित स्तर पर कार्रवाई की जा रही है.

चर्चाएं और हुईं तेज

उल्लेखनीय है कि राजस्थान निवासी एक युवती ने महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं. युवती ने 12 फरवरी को दिल्ली पुलिस को ई-मेल भेजकर अपनी सुरक्षा की मांग की थी. पीड़िता का आरोप है कि जैसे ही एफआईआर कराने की जानकारी सामने आई, उसे लगातार धमकियां मिलने लगीं, जिससे वह दहशत में है. एक ओर यौन शोषण के आरोपों की जांच चल रही है, वहीं दूसरी ओर कथा के बीच महामंडलेश्वर की तबीयत बिगड़ने से पूरे मामले को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं.

एमबीए छात्रा की नृशंस हत्या, क्लासमेट के कमरे में मिला निर्वस्त्र शव

- तीन दिन से थी लापता, आपत्तिजनक वीडियो वायरल कर ब्लैकमेल का आरोप

नवभारत न्यूज़

इंदौर. एक होनहार एमबीए छात्रा की बेरहमी से हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. 25 वर्षीय युवती का शव उसके ही क्लासमेट के किराए के कमरे में निर्वस्त्र अवस्था में बरामद हुआ. कमरे के बाहर ताला लगा था और भीतर से बदबू आने पर पुलिस ने जब दरवाजा खुलवाया तो भीतर का मंजर देखकर हर कोई सन्न रह गया. युवती तीन दिनों से लापता थी, जबकि आरोपी युवक घटना के बाद से फरार है.

एसीपी शिवेन्द्र जोशी ने बताया कि वारदात द्वारकापुरी थाना क्षेत्र की अंकल गली की है. जिस कमरे से शव मिला, वह मंदसौर निवासी पीयूष धामनोदिया ने किराए पर ले रखा था. मृतका और आरोपी दोनों सांवेर रोड स्थित एक निजी संस्थान से एमबीए सेकेंड सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे थे. सूचना मिलते ही एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए गए. पुलिस ने आरोपी की तलाश में अलग-अलग टीमें रवाना कर दी हैं, वहीं आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक 10 फरवरी को युवती अपने पिता के साथ आधार कार्ड में सुधार कराने की बात कहकर घर से निकली थी. पिता ने उसे कलेक्टोरेट के पास छोड़ा था. वहां से उसने छोटी बहन को फोन कर बताया कि वह अपने क्लासमेट पीयूष के साथ बर्थडे पार्टी में जा रही है और रात 11 बजे तक लौट आएगी. इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया. अगले दिन कॉलेज प्रबंधन ने युवती के पिता को बुलाकर बताया कि कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में छात्रा के मोबाइल से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया गया है और दोनों छात्रों के फोन बंद आ रहे हैं. इसके बाद परिजन थानों के चक्कर काटते रहे और देर रात गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज कराई गई. परिजनों का आरोप है कि 12 फरवरी को पूरे दिन तलाश के बावजूद पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई और टालमटोल करती रही. परिवार की आशंका पर एक पुलिसकर्मी आरोपी के कमरे तक पहुंचा भी, लेकिन बाहर से ताला लगा देखकर मकान मालिक को सूचना देने की बात कहकर लौट आया. शुक्रवार को जब उसी कमरे से तेज बदबू आने की शिकायत मिली तो द्वारकापुरी पुलिस मौके पर पहुंची. ताला तोड़कर भीतर घुसी पुलिस को युवती का शव पड़ा मिला. पिता ने बेटी की पहचान उसके मोजों से की. मृतका के पिता का कहना है कि उनकी बेटी को पहले मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, उसे ब्लैकमेल किया गया और फिर बेरहमी से हत्या कर दी गई. आरोपी ने जानबूझकर वीडियो वायरल कर उसकी सामाजिक छवि खराब करने की साजिश रची.

आपत्तिजनक वीडियो से खुली साजिश की परतें

घटना से जुड़ा सबसे चौंकाने वाला पहलू 10 फरवरी की रात सामने आया, जब कॉलेज के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप पर छात्रा के मोबाइल फोन से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया गया. वीडियो में युवक का चेहरा इमोजी से ढंका हुआ था, जबकि युवती का चेहरा साफ नजर आ रहा था .परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने छात्रा के मोबाइल का इस्तेमाल कर उसके स्टेटस पर भी वीडियो लगाए और फोन में सेव नंबरों पर भेजकर उसे बदनाम करने की साजिश रची थी. यही ब्लैकमेलिंग अंततः उसकी हत्या की वजह बनी.

संभावित ठिकानों पर दी जा रही दबिश

मामले में एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल ने बताया कि आरोपी के पिता घनश्याम मंदसौर में किराना दुकान चलाते हैं. पीयूष पढ़ाई के सिलसिले में इंदौर में रह रहा था और वारदात के बाद से फरार है. उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है. फिलहाल पुलिस ने हत्या, ब्लैकमेलिंग और आईटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर मोबाइल डेटा, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया गतिविधियों की गहन जांच शुरू कर दी है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों को लेकर तस्वीर और साफ होने की उम्मीद है.

बिश्नोई गैंग के नाम पर व्यापारी से 5 करोड़ की मांगी फिरौती

- तीन अलग-अलग नंबरों से आए थे व्हाट्सएप कॉल
- दी जान से मारने की धमकी

नव भारत न्यूज

इंदौर. किशनगंज थाना क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यापारी को कुख्यात गैंग के नाम पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती के लिए धमकाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. बदमाशों ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताकर दहशत फैलाने की कोशिश की. तीन अलग-अलग मोबाइल नंबरों से व्हाट्सएप कॉल कर रकम न देने पर गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई.

जानकारी के मुताबिक किशनगंज क्षेत्र में रहने वाले व्यापारी को अज्ञात बदमाशों ने इंटरनेट कॉलिंग के जरिए संपर्क किया. कॉल करने वालों ने खुद को बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताते हुए सीधे 5 करोड़ रुपये की मांग रखी और कहा कि रकम नहीं देने पर जान-माल को नुकसान पहुंचाया जाएगा. घबराए व्यापारी ने तुरंत परिजनों को सूचना दी और बाद में थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. मामले की गंभीरता को देखते हुए देहात पुलिस ने साइबर सेल को जांच में लगाया है. जिन तीन मोबाइल नंबरों से कॉल किए गए, उनकी कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाली जा रही है. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि कॉल भारत से की गई हैं या वर्चुअल नंबरों के जरिए विदेश से डराने की कोशिश की जा रही है. जांच में यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं यह किसी स्थानीय बदमाश गिरोह की साजिश तो नहीं, जो बड़े नाम का इस्तेमाल कर व्यापारी को डराने का प्रयास कर रहा हो. पुलिस यह भी देख रही है कि जिन नंबरों से कॉल आए हैं, वे किन लोगों के नाम पर रजिस्टर्ड हैं और क्या उनके लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल हुआ है.

परिवार की निगरानी बढ़ाई

सुरक्षा को देखते हुए पीड़ित व्यापारी और उसके परिवार की निगरानी बढ़ा दी गई है. एसपी देहात यांगचेन भूटिया का कहना है कि साइबर सेल की टीमें लगातार नंबरों को ट्रेस कर रही हैं और जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा. फिलहाल किसी ठोस आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन हर एंगल से जांच तेज कर दी गई है.

चंदन नगर में फल विक्रेता ने फांसी लगाकर दी जान

- पारिवारिक विवाद की आशंका, रात की घटना

इंदौर. चंदन नगर क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई. परिजनों को करीब रात तीन बजे घटना की जानकारी लगी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया.

पुलिस के अनुसार मृतक का नाम दिनेश (30) पिता मोतीलाल, निवासी तापती परिसर बताया गया है. वह अकेला रहता था और रोजाना नारियल पानी व फल बेचकर गुजर-बसर करता था. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दिनेश और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से मनमुटाव चल रहा था. पत्नी बीते करीब दो साल से मायके में रह रही थी. गुरुवार को भी दोनों के बीच फोन पर बातचीत हुई थी. बताया जा रहा है कि दिनेश के अन्य परिजन आसपास ही रहते हैं, जबकि उसके दो छोटे बच्चे (एक बेटा और एक बेटी) मूसाखेड़ी में नाना-नानी के साथ रह रहे हैं.

परिवार का कहना है कि दिनेश की पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध थे, इसी कारण वह घर छोड़कर चली गई थी. परिजनों ने आरोप लगाया कि वह दिनेश को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देती रहती थी. हालांकि, पुलिस ने फिलहाल इन दावों की पुष्टि नहीं की है. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.